Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)
Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)
Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)
Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)
Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)
FRIENDS!
WE USED TESTZONE
AND CRACKED BANK EXAMS
बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज
IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A FREE MOCK TEST
Smartkeeda
The Question Bank

Rearrangement of Sentences for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Rearrangement Quiz 8

दिशा निर्देश: निम्नलिखित छह (A, B, C, D, E तथा F) वाक्यों को व्यवस्थित कर एक सार्थकपूर्ण लेख बनाएं, और पूछे गए निम्न प्रश्नों के उत्तर दें।

A. साक्षरता व्यक्ति के लिए मात्र साक्षर बनाने के लिए ना होकर, जब संगठित जीवन में व्यक्ति को उसका स्थान दिलाने तथा सभी प्रकार के शोषण से मुक्त करने प्रयुक्त होती है, तब ही सही अर्थों में कार्यात्मक कही जा सकती है।

B. विकसित व्यक्तित्व ही औधोगिक विकास की प्रमुख पूँजी है।

C. कुशलता, सृजनशीलता, परिश्रम, बल, संवेदना, प्रेम, करुणा, सदभाव, आदि गुणों का माध्यम शिक्षा ही है।

D. साक्षरता ही संसार का मार्ग प्रशस्त करती है तथा मनुष्य के अधिक विवेक पूर्ण दृष्टिकोण के विकास हेतु अत्यंत आवश्यक है।

E. शिक्षा ही व्यक्ति को समाज के लिए अधिक उपयोगी एवं कार्य कुशल बनाती है।

F. अर्थात शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास संभव है।

1. पुनर्व्यस्थित करने के बाद उपरोक्त पद में पहला वाक्य क्या होगा?

A B C D E

2. पुनर्व्यस्थित करने के बाद उपरोक्त पद में दूसरा वाक्य क्या होगा?

A B C D E

3. पुनर्व्यस्थित करने के बाद उपरोक्त पद में तीसरा वाक्य क्या होगा?

A F C D E

4. पुनर्व्यस्थित करने के बाद उपरोक्त पद में चौथा वाक्य क्या होगा?

A B C D E

5. पुनर्व्यस्थित करने के बाद उपरोक्त पद में अंतिम वाक्य क्या होगा?

A B C D E

Correct answer:

1	2	3	4	5
E	C	B	B	A

विस्तृत विवरण (Common Explanation):

उपरोक्त पद के समस्त वाक्यों के अध्ययन से हमे यह ज्ञात होता है कि इस पद मे किसी भी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के आवश्यकता का वर्णन किया गया है।

समस्त वाक्यों के गहन अध्ययन से हमे यह स्पष्ट ज्ञात होता है कि वाक्य A और D में जहा साक्षरता के महत्व एवं साक्षरता के मूल सिद्धांतों का वर्णन किया गया है, वही वाक्य B में विकसित व्यक्तित्व का वर्णन किया गया है।परन्तु यदि हम तथ्यों को ध्यान में रखे तो यह स्पष्ट है कि इंसान के व्यक्तित्व में सर्वांगीण विकास एक अच्छी और सुदृढ़ शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। अतः वाक्य A, D और B इस पद का प्रारंभिक वाक्य नहीं हो सकता है।पद का प्रथम वाक्य वही वाक्य होगा जिसमे शिक्षा और उसकी उपयोगिता का वर्णन किया गया हो। गहन अध्ययन के उपरांत हमे यह ज्ञात होता है कि वाक्य E में शिक्षा और उसकी उपयोगिता का वर्णन किया गया है। अतः इस पद का प्रथम वाक्य, वाक्य E होगा। वाक्य E में यह आशय निहित है कि शिक्षा ही एक मात्र ऐसा माध्यम है जिसके कारण व्यक्ति खुद को समाज के लिए अधिक कार्य कुशल एवं उपयोगी बनाता है। वाक्य C एवं F में यह वर्णित है कि कैसे एक उचित शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपने अंदर कुशलता, सृजनशीलता, परिश्रम, बल, संवेदना, प्रेम, करुणा, सदभाव, आदि गुणों का विकास करता है, या दूसरे शब्दों में कहे तो व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास सिर्फ और सिर्फ शिक्षा के माध्यम से ही कर सकता है।अतः वाक्य C एवं वाक्य F इस पद का क्रमशः दूसरा और तीसरा वाक्य होगा।वाक्य B, वाक्य C के प्रभावों का कारक है, तथा इस वाक्य में यह आशय निहित है कि वह इंसान जिसने अपनी शिक्षा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर लिया हो वह खुद की प्रगति के साथ-साथ समाज और देश की भी प्रगति में सहायक होता है। अतः वाक्य B इस पद का चौथा वाक्य होगा।

वाक्य D में यह आशय निहित है कि कैसे साक्षरता व्यक्ति के अंदर अधिक विवेकपूर्ण दृष्टिकोण को विकसित करती है, जबकि वाक्य A में यह वर्णित है कि एक व्यक्ति को पूर्णरूप से साक्षर किन अर्थों में माना जा सकता है, या दूसरे शब्दों में कहे तो साक्षरता को वास्तविक रूप में कार्यात्मक कब माना जा सकती है। अतः वाक्य D इस पद का पाँचवा वाक्य तथा वाक्य A इस पद का अंतिम वाक्य होगा।

अतः पुनर्व्यवस्था का सही क्रम ECFBDA है।

E. शिक्षा ही व्यक्ति को समाज के लिए अधिक उपयोगी एवं कार्य कुशल बनाती है।

C. कुशलता, सृजनशीलता, परिश्रम, बल, संवेदना, प्रेम, करुणा, सदभाव, आदि गुणों का माध्यम शिक्षा ही है।

F. अर्थात शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास संभव है।

B. विकसित व्यक्तित्व ही औधोगिक विकास की प्रमुख पूँजी है।

D. साक्षरता ही संसार का मार्ग प्रशस्त करती है तथा मनुष्य के अधिक विवेक पूर्ण दृष्टिकोण के विकास हेतु अत्यंत आवश्यक है।

A. साक्षरता व्यक्ति के लिए मात्र साक्षर बनाने के लिए ना होकर, जब संगठित जीवन में व्यक्ति को उसका स्थान दिलाने तथा सभी प्रकार के शोषण से मुक्त करने प्रयुक्त होती है, तब ही सही अर्थों में कार्यात्मक कही जा सकती है।

Answer:

1. निचे दिए गए विस्तृत विवरण के आधार पर हम यह कह सकते है कि पुनर्व्यस्था के उपरांत पहला वाक्य, वाक्य E है।
2. निचे दिए गए विस्तृत विवरण के आधार पर हम यह कह सकते है कि पुनर्व्यस्था के उपरांत दूसरा वाक्य, वाक्य C है।
3. निचे दिए गए विस्तृत विवरण के आधार पर हम यह कह सकते है कि पुनर्व्यस्था के उपरांत तीसरा वाक्य, वाक्य F है।
4. निचे दिए गए विस्तृत विवरण के आधार पर हम यह कह सकते है कि पुनर्व्यस्था के उपरांत चौथा वाक्य, वाक्य B है।
5. निचे दिए गए विस्तृत विवरण के आधार पर हम यह कह सकते है कि पुनर्व्यस्था के उपरांत अंतिम वाक्य, वाक्य A है।

SmartKeeda
The Question Bank

Presents

TestZone

India's least priced Test Series platform

JOIN

ALL BANK EXAMS
2020-2021 Test Series

@ Just

₹599/-

300+ Full Length Tests

☑ Brilliant Test Analysis
☑ Excellent Content
☑ Unmatched Explanations

JOIN NOW